संक्षिप्त समाचार

मार्च में 90 फीसदी घट सकता है सोने का आयात, रिकॉर्ड उच्च कीमतों से घटी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का सोना आयात फरवरी, 2024 के मुकाबले मार्च में 90 फीसदी से अधिक घटकर कोरोना महामारी के बाद से अपने निचले स्तर पर पहुंच जाएगा। एक सरकारी अधिकारी और दो बैंक डीलरों ने बताया कि बहुमूल्य धातु की रिकॉर्ड उच्च कीमतों की वजह से मांग प्रभावित हुई है। इससे बैंकों ने सोने की खरीदारी में कटौती की है, जिससे आयात में बड़ी गिरावट आ सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत ने फरवरी में 110 टन सोने का आयात किया था। मार्च में यह घटकर 10-11 टन पर सीमित रह सकता है। सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत के कम आयात से वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातु की कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है, जो इस माह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। आयात में गिरावट से भारत को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रुपये को भी समर्थन मिल सकता है। जूलर्स 35 डॉलर प्रति औंस से अधिक छूट के बाद भी सोना नहीं खरीद रहे हैं क्योंकि रिकॉर्ड उच्च कीमतों पर आयात करने व मांग बढ़ने की प्रतीक्षा करने का कोई कारण नहीं है। ग्राहक ऊंची कीमतों के कारण सोने के पुराने आभूषणों को नए से बदल रहे हैं, जिससे जूलर्स ने बैंकों से सोना खरीदना बंद कर दिया है। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी से बुधवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 150 रुपये महंगा होकर 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।चांदी 250 रुपये सस्ती होकर 77,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआथा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मजबूती के साथ 2,180 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने 537 करोड़ रुपए में सोनाटा फाइनेंस का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक ने 537 करोड़ रुपए में एनबीएफसी सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया है। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, ''बैंक ने आज एक गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (एनबीएफसी) की जारी तथा भुगतान की गई पूंजी का 100 प्रतिशत करीब 537 करोड़ रुपए में हासिल कर लिया है। यह सूक्ष्म वित्त संस्था आरबीआई के साथ पंजीकृत है। सोनाटा 549 शाखाओं के जरिए 10 राज्यों में काम कर रहा है। इसका 31 दिसंबर 2023 तक 'एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) करीब 2,620 करोड़ रुपए था। सोनाटा इस अधिग्रहण के साथ कोटक बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन गई है।

एसबीआई के करोड़ों ग्राहकों को झटका, 1 अप्रैल से बढ़ जाएगा डेबिट कार्ड पर चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने करोड़ों ग्राहकों को झटका दिया है। दरअसल एसबीआई ने अपने विभिन्न डेबिट कार्ड के लिए सालाना मेंटनेंस चार्ज को बढ़ाने का ऐलान किया है, जो अगले सप्ताह से प्रभावी होने वाला है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, विभिन्न डेबिट कार्ड के मामले में एनुअल मेंटनेंस चार्ज में 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की जा रही है। डेबिट कार्ड के नए एनुअल मेंटनेंस चार्ज 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी होंगे। देश में करोड़ों लोग एसबीआई के डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। एसबीआई ग्राहकों की संख्या के हिसाब से देश का सबसे बड़ा बैंक भी है। एसबीआई के क्लासिक, सिल्वर, ग्लोबल, कॉन्टैक्टलेस डेबिट कार्ड के मामले में अब ग्राहकों को मेंटनेंस चार्ज के रूप में 200 रुपए प्लस जीएसटी का भुगतान करना होगा।

दिल्ली में प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी 2,000 करोड़ रुपए के पार

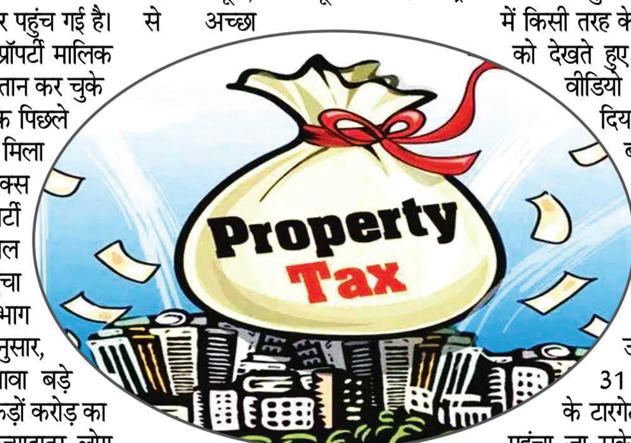

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स विभाग की रिकवरी 2,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। अभी तक 11.85 लाख प्रॉपर्टी मालिक अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर चुके हैं। विभाग को उम्मीद है कि पिछले साल जितना प्रॉपर्टी टैक्स मिला था, 31 मार्च तक उतना टैक्स आ जाएगा। इससे प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन पिछले साल के टारगेट के आसपास पहुंचा सकता है। प्रॉपर्टी टैक्स विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सरकारी विभागों के अलावा बड़े टैक्सपेयर्स पर अब भी सैकड़ों करोड़ का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। ज्यादातर लोग स्कीम का इंतजार करते रहे, लेकिन इस बार कोई स्कीम नहीं लाई गई। इस वजह से लोग अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करा पाए। उन्हें उम्मीद है कि आखिरी दिनों में बाकी बचे हुए टैक्सपेयर अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर देंगे। विभाग ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में सीपीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली मेट्रो से अच्छा खासा प्रॉपर्टी टैक्स मिला है। तब कहीं जाकर आंकड़ा 2,000 करोड़ के पार पहुंच पाया।

प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने हर जोन में तैनात इंस्पेक्टर्स को पांच-पांच कैंप लगाने का आदेश दिया था ताकि कैंप में आकर ज्यादा से ज्यादा लोग अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कर सके। कैंप लगाने में किसी तरह के फर्जीवाड़े की संभावना को देखते हुए हेड क्वॉर्टर ने कैंप की वीडियो भेजने का आदेश भी दिया था। एमसीडी ने इस बार 3,500 करोड़ टैक्स रिकवरी का टारगेट रखा है। अधिकारियों का कहना है कि इस टारगेट तक पहुंचना मुश्किल है लेकिन उनकी कोशिश रहेगी कि 31 मार्च तक पिछले साल के टारगेट (2400 करोड़) तक पहुंचा जा सके। पिछले साल 13.29 लाख लोगों ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराया था। प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली के लिए प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने अपने इंस्पेक्टरों को एक्टिव करने की योजना बनाई थी। एक इंस्पेक्टर को अपने इलाके में कम से कम पांच कैंप लगाने के लिए कहा था।

शनिवार-रविवार को भी खुले रहेंगे ऑफिस

2 जोन में प्रॉपर्टी टैक्स विभाग के 150 से अधिक इंस्पेक्टर तैनात हैं। इस तरह 15 दिन के भीतर लगभग 600 कैंप लगाने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि इलाके की आरडब्ल्यूए, मार्केट असोसिएशन और ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज के सहयोग से लगाए जाने वाले कैंपों के माध्यम से इतनी धनराशि अवश्य आ जाएगी जिससे पिछले साल के टारगेट तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इसलिए प्रॉपर्टी टैक्स विभाग ने 31 मार्च तक शनिवार और रविवार को भी अपने ऑफिस खुले रखे हैं।

कल्याणी ग्रुप में संपत्ति पर विवाद गहराया, भांजा-भांजी पर मानहानि का मुकदमा करेंगे बाबा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की अमीर परिवारों में शामिल कल्याणी ग्रुप में विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी भारत फोर्ज के चेयरमैन बाबा कल्याणी के खिलाफ उनके भांजे समीर हिरेमठ और भांजी पल्लवी स्वादी ने एक मुकदमा दायर कर परिवार की संपत्ति में हिस्सा मांगा है। इस बीच कल्याणी ग्रुप समीर हिरेमठ और पल्लवी स्वादी के खिलाफ एक मानहानि मुकदमा दायर करने की योजना बना रहा है। ग्रुप का कहना है कि बाबा कल्याणी पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और इनका मकसद उनकी छवि खराब करना है। समीर और पल्लवी ने कल्याणी परिवार की कुल संपत्ति में नौवां हिस्सा मांगा है। कल्याणी ग्रुप की कंपनियों का मार्केट कैप 60,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें भारत फोर्ज का मार्केट कैप 51,722 करोड़ रुपये है। कल्याणी ग्रुप के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि याचिकाकर्ताओं ने 20 मार्च को पुणे सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया और अनुचित तरीके से मुकदमे की एक प्रति पहले मीडिया को सौंप दी। डिफेंडेंट्स को नोटिस मिलने या अदालत में सुनवाई के लिए मामला स्वीकार किए जाने से पहले ही इसकी कॉपी मीडिया को सौंप दी गई। यह याचिकाकर्ताओं के दुर्भावनापूर्ण इरादे को दर्शाता है। उनका मकसद बाबा कल्याणी, उनके परिवार और ग्रुप की छवि को बदनाम करना है। जैसे ही हमें इस मामले में अदालत से नोटिस मिलेगा, हम अदालत में अपनी बात रखेंगे। साथ ही हम उन लोगों के खिलाफ भी मानहानि मुकदमा दायर करेंगे जो हमारी छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या है मामला

समीर और पल्लवी की मां सुगंधा हिरेमठ का पहले ही अपने भाई बाबा कल्याणी के साथ विवाद चल रहा है। यह मामला केमिकल कंपनी हिकल के मालिकाना हक से जुड़ा है। समीर और पल्लवी ने अपनी याचिका में कहा है कि उनके नाना के निधन के बाद बाबा कल्याणी परिवार की संपत्ति को मैनेज कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने परिवार की चल और अचल संपत्तियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है। उनकी दलील है कि ग्रुप की नींव उनके परनाना ने रखी थी और उनके नाना ने इसे ऊंचाइयों पर पहुंचाया। बाबा कल्याणी ने भी ग्रुप और परिवार की संपत्तियों का विस्तार किया।

कल्याणी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा, हम आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं। हमारा कहना है कि याचिका में जो आरोप लगाए गए हैं वे तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार हैं। याचिका में जो दावे किए गए हैं, वे अन्य कानूनी कार्यवाही में याचिकाकर्ता परिवार के रुख के अनुरूप नहीं हैं। पद्म भूषण से सम्मानित 75 साल के बाबा कल्याणी ने भारत में इंजीनियरिंग उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत फोर्ज की स्थापना 1966 में उनके पिता ने की थी लेकिन इसे ऊंचाइयों पर पहुंचाने का श्रेय बाबा कल्याणी को जाता है। यह कंपनी ऑटो और एयरोस्पेस कंपोनेंट बनाने वाली दुनिया की दो प्रमुख कंपनियों में शामिल है।

कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा प्रतिस्पर्धा आयोग

चेयरपर्सन बोलीं- फिल्म उद्योग पर है नजर

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग
COMPETITION COMMISSION OF INDIA

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा है। साथ ही, प्रतिस्पर्धी डिजिटल बाजार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम भी उठा रहा है। सीसीआई की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा, जांच में हम देख रहे हैं कि फिनटेक कंपनियां कैसे प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही हैं और क्या इसके जरिये वे बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही हैं? उन्होंने इस संबंध में और जानकारी दिए बिना कहा, नियामक फिल्म उद्योग खासकर फिल्म वितरकों से संबंधित कुछ मामलों को भी देख रहा है।

सीसीआई चेयरपर्सन ने कहा, प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर विभिन्न इकाइयों के बीच जागरूकता बढ़ी है। हमारा ध्यान 'विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने' पर है। नियामक का ध्यान बड़ी तकनीकी कंपनियों के साथ फिनटेक और ऑनलाइन मध्यस्थ सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों पर है। उन्होंने कहा, यह सब विनियमन व स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने को लेकर है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बाजार प्रतिस्पर्धी बना रहे और यह सभी संबद्ध पक्षों के लिए निष्पक्ष रूप से काम करे।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से आर्थिकी पर पड़ेगा सकारात्मक असरः कौर ने कहा, बाजार खराब करने की गतिविधियों को दूर करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नवाचार को गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा, आयोग डिजिटल बाजार से जुड़े मामलों में तेजी ला रहा है। यह अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष डिजिटल बाजार सुनिश्चित करेगा। हालांकि, नियामकीय परिदृश्य को लेकर कानूनी चुनौतियां भी हैं। हमारा ध्यान एक ऐसा परिवेश बनाने पर रहता है, जहां प्रतिस्पर्धा हो।

गूगल पर सख्ती से आया है बदलावः गूगल के खिलाफ सीसीआई के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद बाजार पर पड़े असर के बारे में पूछने पर सीसीआई प्रमुख ने कहा, बहुत बदलाव आया है। कंपनियों को एहसास हो रहा है कि वे प्रतिस्पर्धा रोधी गतिविधियों में शामिल होकर बच नहीं सकती हैं।

भारतीय गेमिंग बाजार का राजस्व 2028 तक दोगुना होकर छह अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला मोबाइल गेमिंग बाजार है और इस उद्योग का वार्षिक राजस्व 2023 के 3.1 अरब डॉलर से लगभग दोगुना होकर 2028 तक छह अरब डॉलर हो सकता है। इंटरएक्टिव एंटरटेनमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल (आईईआईसी) और ऑनलाइन गेमिंग कंपनी विंजो की एक संयुक्त रिपोर्ट में बुधवार को यह बात कही गई। आईईआईसी विश्लेषण और द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर 'इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2024 के तहत 2023 में गेम के लिए भुगतान करने वाले 14.4 करोड़ उपयोगकर्ताओं की तुलना में 2028 में यह संख्या 24 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

सोनालीका ने ट्रैक्टर उद्योग में पहली बार पेश किया एक देश, एक ट्रैक्टर कीमत

साथ ही लॉन्च किया शक्तिशाली सिकंदर डीएलएक्स डीआई 60 टॉर्क प्लस मल्टी-स्पीड ट्रैक्टर

नई दिल्ली एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स कृषि मशीनीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी रास्ता अपनाने के लिए उत्साहित है और अपनी नवीनतम पहल एक देश, एक ट्रैक्टर कीमत पेश कर दी है। भारत में अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज का विस्तार करते हुए, सोनालीका ने अपना नवीनतम सिकंदर डीएलएक्स डीआई 60 टॉर्क प्लस मल्टी-स्पीड ट्रैक्टर एक विशेष कीमत रु 8,49,999 (एक्स-शोरूम) पर पेश किया है। कठोर मिट्टी में भी शानदार प्रदर्शन के लिए बेहतरीन टॉर्क देने के साथ डिज़ाइन किया गया, यह श्रेणी में सबसे बड़े इंजन और हर तरह के अनुप्रयोगों के दौरान ज़बरदस्त प्रदर्शन के लिए 10 डीलक्स खूबियों से लैस है। सोनालीका की हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज में जुड़ा ये नवीनतम ट्रैक्टर भी पंजाब के होशियारपुर में स्तिथ कंपनी के विश्व नंबर 1 ट्रैक्टर प्लांट से तैयार किया जाएगा। सोनालीका का नवीनतम लॉन्च - सिकंदर डीएलएक्स डीआई 60 टॉर्क प्लस मल्टी स्पीड ट्रैक्टर - कंपनी की बहुप्रशंसित सिकंदर डीएलएक्स श्रृंखला में एक ज़बरदस्त बढ़ावा देगा। सोनालीका की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, नए ट्रैक्टर के साथ कंपनी ने श्रेणी में सबसे बड़ा 4 सिलेंडर 4,709 सीसी एचडीएम इंजन दिया है जो बेजोड़ 275 एनएम टॉर्क देता है। उन्नत 12एफ+12आर मल्टी-स्पीड शटल-टेक ट्रांसमिशन और बेहतर 5जी हाइड्रोलिक्स के साथ, यह 2,200 किलोग्राम की लिफ्ट क्षमता और 140+ सेटिंग्स के साथ आता है। एलईडी डीआरएल हेडलाइट, एलईडी टेल लाइट, प्रो+ बंपर, डीलक्स सीट और पावर स्टीयरिंग के साथ, सोनालीका सिकंदर डीएलएक्स डीआई 60 टॉर्क प्लस मल्टी-स्पीड ट्रैक्टर विभिन्न भारतीय कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए कई अनुप्रयोगों और उपकरणों के लिए एक उत्तम समाधान होगा। नए लॉन्च पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम अपनी नवीनतम पहल एक देश, एक ट्रैक्टर कीमत लॉन्च करने और अपने ट्रैक्टर उद्योग में गेम चेंजिंग पहल - सोनालीका सिकंदर डीएलएक्स डीआई 60 टॉर्क प्लस मल्टी-स्पीड - पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो किसानों को सर्वश्रेष्ठ परिणाम देते हुए लचीलापन प्रदान करेगा।

विक्स का भारत के लिए इनोवेशन लगातार जारी; पेश किया नया विक्स रोल-ऑन

VICKS
Roll-On
For Headaches
FAST ACTION in 2 min

हिसार। विश्व में सबसे ज़्यादा बिकने वाला कफ एवं कोल्ड ब्रांड, विक्स राहत प्रदान करने और देखभाल की अपनी 125 सालों से ज्यादा लंबी विरासत के साथ बेहतर उत्पाद प्रदान करने के लिए लगातार इनोवेट कर रहा है, तावि उनकी मदद से परिवार और दोस्त एक दूसरे का ख़याल रख सकें। आज इस ब्रांड ने सिरदर्द से जल्द राहत के लिए नया विक्स रोल-ऑन पेश किया, जो सिरदर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। यह नींद न आने की समस्या के लिए विक्स ज़िक्लिल नटुर (दुनिया के म1 स्लीप एड ब्रांड की ओर से) और विश्व में इसके पहले स्टीम इनहेलेशन कैप्सूल, न्यू विक्स वेपोरब स्टीम पॉड्स, के लॉन्च के बाद भारत में पिछले 12 महीनों में विक्स का तीसरा इनोवेशन है। पी एंड जी इंडिया के कैटेगरी लीडर कंज्यूमर हेल्थकेयर, साहिल सेठी ने कहा, 卐विक्स कई पीढ़ियों से भारतीयों को सर्दी, खाँसी और फ्लू के लक्षणों से आराम दिलाता आया है। हम अपने उपभोक्ताओं की जरूरतों को सुनकर उनके अनुरूप अपने उत्पादों का निर्माण और पैकेजिंग करके इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें सर्दी और खाँसी के साथ होने वाले सिरदर्द से तुरंत राहत देने के लिए अपना नया विक्स रोल-ऑन पेश करने पर गर्व है। सिरदर्द लोगों को कभी भी हो सकता है जिससे उन्हें बेचैनी होती है और उनकी काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। नया विक्स रोल-ऑन खास भारतीयों के लिए बनाया गया है, जो केवल 2 मिनट में फास्ट एक्शन के साथ काम करना शुरू कर देता है, औ अपनी रोलर बॉल टेक्नोलॉजी और नॉन-ग्रीज़ी फ़ॉर्मूला की मदद से ऑन-द-गो रहते हुए भी सिरदर्द से राहत देता है डॉ. जसप्रीत कोचर, डायरेक्टर, विक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने कहा, 卐नया विक्स रोल-ऑन एक बेहतरीन फॉर्मूला है, जो पुदीना (मेंथल) और कर्पूर (कपूर) जैसे आयुर्वेदिक तत्वों की शक्ति के साथ भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह अचानक शुरू होने वाले सिरदर्द से तुरंत, प्रभावशाली औ ऑन-द-गो राहत प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि सिरदर्द से आपका दैनिक कामकाज प्रभावित ना हो।

ऑटोमोबाइल कंपनियां अपने इस प्रोडक्ट्स के लिए खोल रहीं अलग शोरूम

मिल रहा एक्स्ट्रा रेवेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल कंपनियां अपने डीलरशिप नेटवर्क को ज्यादा प्रीमियम बनाने में जुटी हुई हैं। इससे भी आगे बढ़कर कुछ ऑटोमोबाइल कंपनियों ने अपने प्रीमियम प्रोडक्ट्स के लिए अलग से शोरूम भी खोले हैं, जहां पर वो अपने प्रीमियम प्रोडक्ट की बिक्री कर रही हैं। इनके जरिए कंपनियां न सिर्फ अपने कस्टमर्स को एक लग्जरी एक्सपीरियंस देना चाहती हैं, बल्कि यहां जो एक्सेसरीज और अपैरल्स बिक रहे हैं उनसे कुछ एक्स्ट्रा रेवेन्यू भी जेनरेट हो रहा है। इसकी शुरुआत मारुति सुजकी ने की थी। 2015 में कंपनी ने अपनी प्रीमियम और ज्यादा कीमत वाली गाड़ियों को बेचने के लिए नेक्सा नाम से एक्सक्लूसिव शोरूम खोलने शुरु किए थे। आज ये लगभग 200 से ज्यादा शहरों में ऑपरेट हो रहे हैं और कंपनी की 10 लाख से ज्यादा प्रीमियम गाड़ियां इसके जरिए बेची जा चुकी हैं। सस्ती और छोटी कारों वाली कंपनी की इमेज से मारुति को निकालने में नेक्सा ने बड़ा रोल निभाया है।

मारुति सुजुकी के बाद कोई और फोर-वीलर कंपनी ने अलग प्रीमियम शोरूम का रास्ता नहीं पकड़ा। लेकिन टू-वीलर कंपनियां इस मामले में तेजी दिखा रही हैं। यामाहा मोटर्स अपनी प्रीमियम डीलरशिप को ब्लू स्क्वॉयर के नाम से चलाती है। कंपनी ने हाल ही में ऐलान किया है कि उसके ब्लू स्क्वायर आउटलेट्स की संख्या 300 को पार कर चुकी है। यहां कंपनी आर3, एमटी-03 और एइआरओएक्स 155 जैसे प्रोडक्ट के अलावा अपनी सुपरबाइक्स की बिक्री करती है। साथ ही यहां कंपनी की अपैरल्स और एक्सेसरीज भी मिलती हैं।

प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बिक्री

इसी तरह से होंडा ने अपनी डीलरशिप को दो हिस्सों में बांट रखा है। रेड विंग में मास सेगमेंट के टू-वीलर्स बिकते हैं और गोल्ड विंग के जरिए कंपनी अपने प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बिक्री करती है। कंपनी के इंडिया में 6000 से ज्यादा रेड विंग आउटलेट्स हैं। होंडा के बिग विंग के 135 आउटलेट्स हैं। रायल एनफील्ड और जावा जैसी कंपनियों के पास मास सेगमेंट प्रोडक्ट नहीं हैं इसलिए उन्होंने अपने मौजूदा शोरूम्स को ही अपग्रेड करके प्रीमियम लुक दिया है और यहां से कंपनी के ब्रैंडेड कपड़ों और एक्सेसरीज की बिक्री भी करती हैं।

गोदरेज एंड बॉयस ने डाई पैरामीटर मॉनिटरिंग के लिए पेश की स्मार्ट कनेक्टेड डाई कास्टिंग डाई

मुंबई एजेंसी। गोदरेज एंड बॉयस, गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी ने घोषणा की कि उसके व्यवसाय गोदरेज टूलिंग ने स्मार्ट कनेक्टेड डाई कास्टिंग डाई का अनावरण किया है। यह एक पेटेंट तकनीक है जो वास्तविक समय के डाई मापदंडों की निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव लाती है। इस अभिनव समाधान का उद्देश्य गैर-अनुरूपता की चेतावनी देकर और डाई कास्टिंग उत्पादन में विफलताओं की भविष्यवाणी करके ब्रेकडाउन को कम करना है। भारतीय डाई कास्टिंग में यह मील का पत्थर एक स्वदेशी समाधान प्रदान करता है जो दक्षता को बढ़ाता है। डाई लाइफ में 10 प्रतिशत की वृद्धि, प्रति पीस 10 प्रतिशत लागत में कमी और कम अस्वीकृति के साथ, यह एक महत्वपूर्ण उद्योग उन्नति का संकेत देता है। पारंपरिक डाई कास्टिंग निगरानी पद्धतियाँ लंबे समय से केवल मशीन-साइड मापदंडों पर निर्भर होने के कारण सीमित रही हैं, जो निरंतर भाग गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण डाई-संबंधित कारकों की अनदेखी करती हैं। इस अंतर को पहचानते हुए, गोदरेज टूलिंग ने स्मार्ट कनेक्टेड डाई कास्टिंग डाई विकसित की। यह सिस्टम डाई के भीतर तापमान और दबाव मापदंडों को कैप्चर करता है, जो निरंतर गुणवत्ता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐतिहासिक रूप से, उत्पादन दोषपूर्ण भागों के साथ तब तक जारी रहा जब तक कि मैन्युअल निरीक्षण या गंभीर ब्रेकडाउन नहीं हुए। यह नई तकनीक डाई प्रदर्शन में वास्तविक समय की जानकारी और 'ट्रेसेबिलिटी' प्रदान करके समस्या का समाधान करती है, जिससे समस्याओं का जल्द पता लग जाता है, जिसके परिणामस्वरूप निर्माताओं के लिए डाउनटाइम कम हो जाता है, दक्षता बढ़ जाती है और उत्पादकता बढ़ जाती है। यह अभिनव समाधान उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला को लाभ पहुँचाने के लिए तैयार है जहाँ लगातार भाग की गुणवत्ता और उत्पादन दक्षता सर्वोपरि है। इसे पूरी तरह से स्वदेशी रूप से बनाया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण भागों को चुनौतीपूर्ण फाउंड्री स्थितियों में प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो कई पुनरावृत्तियों से गुज़रे हैं। यह फाउंड्री को उद्योग 4.0 सक्षम बनने की आवश्यकता का उत्तर प्रदान कर रहा है। गोदरेज टूलिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और व्यवसाय प्रमुख पंकज अभ्यंकर ने कहा, वास्तविक समय की निगरानी, सक्रिय अलर्ट और क्लाउड-आधारित पहुंच को सहजता से एकीकृत करके, हम न केवल डाई कास्टिंग प्रक्रियाओं को अनुकूलित कर रहे हैं, बल्कि निर्माताओं के उत्पादन के तरीके को मौलिक रूप से बदल रहे हैं।

यह तकनीक कास्टिंग की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है, अस्वीकृति को कम करती है और ब्रेकडाउन को कम करती है